

जन सुनवाई का कार्यवाही विवरण

भारत सरकार के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी पर्यावरणीय प्रभाव आंकलन अधिसूचना दिनांक 14.09.2006 व इसकी संशोधित अधिसूचनाओं में वर्णित प्रावधानों के अंतर्गत प्रस्तावित खनन परियोजना मैसर्स सिग्मा मिनरल्स लिमिटेड, ब्लॉक TKSB37, प्रस्तावित क्षेत्र- 4.8068 हेक्टेयर, प्रस्तावित उत्पादन क्षमता के साथ- 262710 टीपीए (रोम) (विक्रय योग्य- 100275 टन एवं ओबी- 162435 टन), निकट गांव:- हरीपुरा, तहसील- खीवसर, जिला-नागौर (राजस्थान) में स्थित है में लाइमस्टोन खनन (प्रधान खनिज) की पर्यावरण स्वीकृति हेतु जनसुनवाई जिला कलेक्टर नागौर के प्रतिनिधि श्री हरि सिंह शेखावत, उपखण्ड मजिस्ट्रेट, खीवसर की अध्यक्षता में एवं श्री राजकुमार मीणा, क्षेत्रीय अधिकारी, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, नागौर की उपस्थिति में भारत निर्माण राजीव सेवा केंद्र (आई.टी. सेंटर) बैरावास, तहसील- खीवसर, जिला नागौर में दिनांक 15.05.2025 को प्रातः 11:00 बजे आयोजित की गई।

जन सुनवाई में उपस्थित व्यक्तियों का विवरण मय हस्ताक्षर परिशिष्ट "अ" पर संलग्न है। जनसुनवाई बाबत विज्ञप्ति दिनांक 05/04/2025 को समाचार पत्र "द इंडियन एक्सप्रेस" एवं "दैनिक नवज्योति" में प्रकाशित करवाई गई थी, जिसकी प्रतियाँ परिशिष्ट "ब" पर संलग्न है।

बैठक की कार्यवाही प्रारम्भ करते हुए क्षेत्रीय अधिकारी, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, नागौर ने सभी आगुन्तकों का स्वागत करते हुए अवगत करवाया कि उक्त जनसुनवाई भारत सरकार के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी पर्यावरणीय प्रभाव आंकलन अधिसूचना दिनांक 14.09.2006 व इसकी संशोधित अधिसूचनाओं में वर्णित प्रावधानों के अंतर्गत क्षेत्रीय कार्यालय, नागौर द्वारा आयोजित की जा रही है, जिसमें जिला कलेक्टर महोदय की तरफ से उपखण्ड मजिस्ट्रेट, खीवसर को प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है। उक्त जन सुनवाई की सूचना दो समाचार पत्रों में 30 दिवस पूर्व दी जा चुकी है। क्षेत्रीय अधिकारी महोदय द्वारा उपस्थित जनसमुदाय को बताया गया कि उक्त खनन परियोजना से सम्बन्धित सम्पूर्ण जानकारी खनन परियोजना के पर्यावरणीय तकनीकी सलाहकार द्वारा दी जायेगी। सभी जानकारी को ध्यानपूर्वक सुनने के पश्चात उपस्थित आमजन खनन परियोजना के सम्बन्ध में आपत्ति या सुझाव दर्ज करवा सकते हैं। उक्त जनसुनवाई की विडियोग्राफी भी करवाई जा रही है। जनसुनवाई विडियोग्राफी एवं दिये गये आक्षेप/सुझाव क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा राज्य स्तरीय पर्यावरणीय प्रभाव आंकलन प्राधिकरण (SEIAA) को प्रेषित कर दिये जायेंगे। इसके पश्चात उपखण्ड मजिस्ट्रेट महोदय की अनुमति से प्रस्तावित परियोजना के सम्बन्ध में विस्तृत प्रस्तुतिकरण हेतु मैसर्स सिग्मा मिनरल्स लिमिटेड के पर्यावरणीय तकनीकी सलाहकार मैसर्स वाईब्रेंट टेक्नो लेब प्राईवेट लिमिटेड को आमंत्रित किया गया।


क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल
नागौर (राजस्थान)


उपखण्ड अधिकारी
खीवसर (नागौर)

परियोजना के पर्यावरणीय तकनीकी सलाहकार मैसर्स वाईब्रेंट टेक्नो लेब प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि द्वारा खनन परियोजना का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया जिसके अन्तर्गत बताया गया कि उक्त खनन परियोजना निकट गांव:- हरीपुरा, तहसील- खींवसर, जिला-नागौर (राजस्थान) में खनिज- लाइमस्टोन खनन (प्रधान खनिज) हेतु प्रस्तावित है, जिसका ब्लॉक TKS37, प्रस्तावित क्षेत्र- 4.8068 हेक्टेयर, प्रस्तावित उत्पादन क्षमता के साथ- 262710 टीपीए (रोम) (विक्रय योग्य- 100275 टन एवं ओबी- 162435 टन), निकट गांव:- हरीपुरा, तहसील- खींवसर, जिला-नागौर (राजस्थान) में स्थित है। तत्पश्चात पर्यावरणीय सलाहकार ने खान की अवधि, खान का परिचय, खनन योजना, खनन परियोजना का विवरण मय नक्शा, खनिज भण्डार, खनन प्रक्रिया, जलवायु, जल बहाव, ढांचा और खनन गतिविधियों के द्वारा जैव विविधता, मिट्टी, पर्यावरणीय, वायु और ध्वनि पर्यावरण पर प्रभाव एवं उनके शमीकरण/रोकथाम के उपायों के बारे में बताया तथा साथ ही पर्यावरणीय मापदंडों की निगरानी कार्यक्रम एवं प्रस्तावित सामाजिक दायित्व (सी.एस.आर) के बारे में बताया।

खनन इकाई के पर्यावरणीय सलाहकार द्वारा खनन परियोजना की विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवाने के पश्चात क्षेत्रीय अधिकारी महोदय द्वारा जनसुनवाई में उपस्थित समस्त जनसमूह को इस खनन परियोजना के सम्बन्ध में अपने आक्षेप/सुझाव/आपत्ति प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया।

सर्वप्रथम श्री जेठाराम जांगीड़, निवासी बैरावास ने कहा कि गांव की नाड़ी की साफ-सफाई तथा नाड़ी में पानी रोकने की व्यवस्था करवावे, जिससे ग्रामवासियों को पीने का पानी मिले। जिसके प्रत्युत्तर में पर्यावरणीय सलाहकार ने कहा कि आपकी मांग को हमारे सामाजिक दायित्वों में शामिल करेंगे तथा परियोजना प्रस्तावक द्वारा आपकी समस्या का पूर्णतया निवारण किया जायेगा।

श्री सियाराम गोदारा निवासी बैरावास ने कहा कि तालाब के मंगरा (अंगौर) क्षेत्र में खनन के कारण वर्षा जल तालाब में आने से अवरुद्ध होता है।

श्री शैतानराम गोदारा निवासी बैरावास ने कहा कि गौचर जमीन पर खनन हो रहा है, जिसके कारण आवारा पशु परियोजना हेतु चयनित जमीन पर चरते हैं, उनका भविष्य में क्या होगा? जिसके प्रत्युत्तर में पर्यावरणीय सलाहकार ने जानकारी देते हुए बताया कि उक्त जमीन सरकारी भूमि है तथा सरकार द्वारा इसे खनन हेतु आवंटित किया गया है। अतः यहां खनन किया जायेगा। परन्तु क्षेत्र की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए परियोजना प्रस्तावक द्वारा


क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल
नागौर (राजस्थान)


उपखण्ड अधिकारी
खींवसर (नागौर)

गौचर भूमि एवं अन्य भूमि पर पौधारोपण तथा पशुओं के लिए घास की पैदावार के लिए हर संभव प्रयास किये जायेंगे।

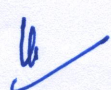
श्री श्यामसुन्दर वैष्णव निवासी बैरावास ने पर्यावरण के विषय में पूछा कि खनन के स्थल पर विकसित पेड़ के नष्ट होंगे, जिसके बदले आप द्वारा कितने पेड़-पौधे लगाये जायेंगे। जिसके प्रत्युत्तर में पर्यावरणीय सलाहकार ने बताया कि सरकार द्वारा अभी तक प्रस्तावक को खनन की मंजूरी प्रदान नहीं की गई, खनन मंजूरी के लिए अभी काफी स्तर है। खनन मंजूरी से पूर्व वन विभाग द्वारा खनन क्षेत्र का अवलोकन कर प्रस्तावक को निर्धारित मुआवजा राशि तथा एक पेड़ के बदले अन्य स्थान पर 10 पेड़ लगाने का प्रस्ताव भी लिया जायेगा।

श्री श्यामसुन्दर वैष्णव निवासी बैरावास ने कहा कि पशुपालकों की जीवनशैली पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा? तथा खनन के कारण तालाब में जाने वाला पानी भी अवरुद्ध होगा। जिसके प्रत्युत्तर में पर्यावरणीय सलाहकार ने बताया कि प्रस्तुति के माध्यम से आपको बताया गया था कि किसी भी प्राकृतिक वर्षा जल एवं सतही जल मार्ग को अवरुद्ध नहीं किया जायेगा। सरकारी नियमों के विपरीत कोई कार्य नहीं किया जायेगा।

उपखण्ड मजिस्ट्रेट महोदय ने कहा कि उपस्थित सभी ग्रामवासियों का पर्यावरण के सम्बन्ध में अपने सुझाव/आक्षेप/आपत्ति प्रस्तुत करने हेतु निमंत्रित किया। तथा साथ ही अवगत करवाया कि सरकार द्वारा सरकारी भूमि क्षेत्र के विकास हेतु खनन हेतु आवंटित किया जाता है। तथा पेड़ों की बिना सरकारी मंजूरी के नहीं काटे जायेंगे, एवं जब पेड़ काटे जायेंगे तो एक के स्थान पर 10 अन्य पेड़ लगाये जायेंगे। साथ ही उपखण्ड अधिकारी महोदय ने ग्रामवासियों से पुनः निवेदन किया कि सामाजिक दायित्वों की प्राथमिकता वार सूची बनावे तथा मेरे माध्यम से परियोजना प्रस्तावक द्वारा उक्त कार्यों को क्रियान्वत करवावे। हमें क्षेत्र के विकास एवं पर्यावरण के सम्बन्ध में ही चर्चा करनी चाहिए।

श्री जेठाराम निवासी बैरावास ने कहा कि सरकार द्वारा आवंटित खनन लीज खातेदारी जमीन की है या सरकारी जमीन की है। जिसके प्रत्युत्तर में पर्यावरणीय सलाहकार ने बताया कि इस परियोजना हेतु प्रस्तावित कुल क्षेत्र 4.8 हेक्टेयर है, जिसमें से 4.3 हेक्टेयर सरकारी भूमि एवं 0.5 हेक्टेयर निजी भूमि है। अतः निजी भूमि खनन हेतु खातेदार द्वारा बैचाने के माध्यम से प्रस्तावक की दी जायेगी। अगर खातेदार अपनी भूमि नहीं देता है, तो प्रस्तावक उस भूमि पर खनन नहीं कर सकता। जब तक सरकार द्वारा खनन हेतु मंजूरी प्रदान नहीं की जाती है, तब तक प्रस्तावक के पास किसी भी प्रकार का कोई हक इस जमीन पर नहीं है। प्रस्तावक द्वारा


क्षेत्रीय अधिकारी
पर्यावरण नियंत्रण विभाग
नागौर (राजस्थान)

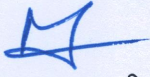

उपखण्ड अधिकारी
खीवसर (नागौर)

सम्पूर्ण सरकारी शर्तों की नियमानुसार पालना के पश्चात् ही सरकार द्वारा खनन हेतु सम्मति दी जायेगी। भारत सरकार नियमानुसार न्यूनतम आबादी क्षेत्र से 45 मीटर, नदी-नाले से 45 मीटर, गाइडेन्सल लाईन से 45 मीटर दूर ही खनन हेतु मंजूरी दी जायेगी।

उपखण्ड मजिस्ट्रेट महोदय ने कहा कि आप सभी की मुख्य जिम्मेदारी है कि इकाई द्वारा सरकारी नियम एवं शर्तों की अनुपालना एवं विकास हेतु किये जाने वाले सामाजिक कार्यों की निगरानी रखना तथा प्राथमिकतावार कार्य करवाना।

श्री विशाल चाम्पावत, प्रतिनिधि मैसर्स सिग्मा मिनरल्स लिमिटेड ने उपस्थित सभी नागरिकों का स्वागत किया एवं सभी को आश्वस्त करते हुए कहा कि आपके द्वारा प्रस्तुत सुझाव एवं मांगों को पूरा करने के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। तथा इस क्षेत्र में विकास कार्य के लिए भी हमने अलग से सीएसआर फण्ड भी प्रस्ताव में लिया है। साथ ही भविष्य में हमारे द्वारा आपकी परेशानियों का निस्तारण, विकास के कार्य एवं आपके सुझाव पर कार्य करने के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे।

क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा उपस्थित जन-मानस से प्रस्तावित खनन परियोजना के सम्बन्ध में अपने आक्षेप/सुझाव/आपत्ति प्रस्तुत करने हेतु पुनः निवेदन किया गया। अन्त में ग्रामवासियों द्वारा अन्य कोई आपत्ति/आपेक्ष प्रस्तुत नहीं किये जाने पर उपखण्ड मजिस्ट्रेट महोदय की अनुमति से क्षेत्रीय अधिकारी ने जनसुनवाई के समापन की घोषणा की एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट महोदय तथा उपस्थित जन समुदाय का जन सुनवाई में आने के लिए आभार प्रकट किया। यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि जनसुनवाई के दौरान एवं जनसुनवाई के पश्चात ग्राम पंचायत ग्रामवासियों के माध्यम से लिखित में कोई भी आक्षेप इस कार्यालय को प्राप्त नहीं हुआ है।


श्री राजकुमार मीणा,
क्षेत्रीय अधिकारी,
रा.रा.प्र.नि.म., नागौर

क्षेत्रीय अधिकारी
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल
नागौर (राजस्थान)


श्री हरि सिंह शेखावत,
उपखण्ड मजिस्ट्रेट,
खींचराम, जिला - नागौर
उपखण्ड अधिकारी
खींचराम (नागौर)

उपस्थिति पंजिका

प्रस्तावित लाइमस्टोन खनन (प्रधान खनिज) परियोजना, आवेदक मैसर्स सिग्मा मिनरल्स लिमिटेड, ब्लॉक TKSB37, प्रस्तावित क्षेत्र- 4.8068 हेक्टेयर, प्रस्तावित उत्पादन क्षमता के साथ- 262710 टीपीए (रोम) (विक्रय योग्य- 100275 टन एवं ओबी- 162435 टन), निकट गांव:- हरीपुरा, तहसील- खींवसर, जिला-नागौर (राजस्थान) में स्थित है।

स्थान:- भारत निर्माण राजीव सेवा केंद्र (आई.टी. सेंटर) बैरावास, तहसील- खींवसर, जिला नागौर

दिनांक: 15.05.2025,

समय: प्रातः 11:00 बजे

क्र.म.	नाम	पता	हस्ताक्षर
1.	Hari Singh	SDO-Khinvasa	
2.	Rajkumar Meena	R.O. RSPCB, Nagaur	
3.	Hemant Kumar	JEE, RO RSPCB Nagaur	
4.	Umesh Sharma	ETA (Coordinator) Vibrant Technologies Pvt. Ltd.	
5.	Movishu Tawar	()	Manish
6.	Srinivas Chelam	Vibrant Technologies Pvt. Ltd.	Sw
7.	Mulan Lal Suneel	Vibrant Technologies Pvt. Ltd.	Mulan Lal Suneel
8.	Gopal Singh	Sigma Minerals Ltd	Gopal Singh 9414196563
9.	Vishal Chandra	Sigma Minerals Ltd.	Vishal 7790906877
10.	Tulsi Ram Sharma	Sigma Minerals Ltd	TR Sharma
11.	शंकर सिंह	बैरावास 957167327	
12.	जगराज	9672646657	
13.	अशोक जी.	बैरावास	
14.	खेमदास	बैरावास 6350506644	खेमदास
15.	चन्दराम	बैरावास	चन्दराम
16.	देवराज राय	बैरावास 9587598480	
17.	Chetan Rawar	JKE, Khinvasa	9785455843
18.	गीतमराम	बैरावास	6376765560
19.	मंगाराम	बैरावास	7665605126
20.	हरदीनराम	बैरावास	9983120266
21.	कपूरराम	बैरावास	
22.	लालाराम	बैरावास	766094013

उपस्थिति पंजिका

प्रस्तावित लाइमस्टोन खनन (प्रधान खनिज) परियोजना, आवेदक मैसर्स सिग्मा मिनरल्स लिमिटेड, ब्लॉक TKS37, प्रस्तावित क्षेत्र- 4.8068 हेक्टेयर, प्रस्तावित उत्पादन क्षमता के साथ- 262710 टीपीए (रोम) (विक्रय योग्य- 100275 टन एवं ओबी- 162435 टन), निकट गांव:- हरीपुरा, तहसील- खींवसर, जिला-नागौर (राजस्थान) में स्थित है।

स्थान:- भारत निर्माण राजीव सेवा केंद्र (आई.टी. सेंटर) बैरावास, तहसील- खीवसर, जिला नागौर

दिनांक: 15.05.2025,

समय: प्रातः 11:00 बजे

क्र.म.	नाम	पता	हस्ताक्षर
23	लक्ष्मण जी	जेरावा	लीधमनराम
24	धर्मराज	जेरावा	रवीकस
25	हरि	जेरावा	पिनने
26	श्री 4713	जेरावा	2413
27	नेरा मुकेल	जेरावा	मुकेल
28	श्रीराम गोदार	जेरावा	श्रीराम
29	लक्ष्मणराज	जेरावा	लक्ष्मणराज
30	रामकृष्ण	जेरावा	रामकृष्ण
31	शिवनारायण	जेरावा	शिवनारायण
32	महावीर	जेरावा	महावीर
33	मनीष	जेरावा	मनीष
34	श्रीरामराज	जेरावा	श्रीरामराज
35	तुलसीराज	जेरावा	तुलसीराज
36	श्रीरामराज	जेरावा	श्रीरामराज
37	गिरीधारी	जेरावा	गिरीधारी
38	श्रीरामराज	जेरावा	श्रीरामराज











